केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 42 मंगलवार 1 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

किर्गिस्तान में पुतिन–मोदी की मुलाकात, कहा- हमें युद्धों से हटकर आगे बढ़ना चाहिए

बिश्केक (आभा) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को किर्गिस्तान के बिश्केक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों लीडर एक–दूसरे के गले मिले। दोनों के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान, मोदी ने

पुतिन से कहा कि हमें कभी न खत्म होने वाले युद्धों से हटकर, उन्हें खत्म करने की ओर बढ़ना चाहिए। भारत शांति की दिशा में सभी प्रयासों का समर्थन करता है।

पीएम ने पुतिन को सितंबर में होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने का न्योता दिया। इससे पहले मोदी ने ईरान, किर्गिस्तान और अर्मेनिया के राष्ट्राध्यक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की। वे ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से भी मिले। बिश्केक में चल रही एससीओ समिट की थीम 'शांति, विकास और समृद्धि के लिए मिलकर आगे बढ़ना है। इसमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान सहित 10 सदस्य देशों के नेता भाग ले रहे हैं।

दिल्ली की बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली में 16 साल की छात्रा से चलती स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की है, पुलिस ने 31 अगस्त को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर बस में बैठी।

आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा। इस दौरान बस करीब 47 किमी दौड़ती रही। बस के शीशों पर पर्दे लगे थे। पुलिस ने बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी कब हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पीड़ित उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं की छात्रा है।

निषाद समाज ने विमुक्ति दिवस पर अधिकारों को लेकर किया प्रदर्शन, प्रधानमंत्री , मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। निषाद पार्टी के जिला अध्यक्ष अशोक निषाद एवं युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष धर्मराज निषाद के नेतृत्व में सोमवार को निषाद समाज के लोगों ने विमुक्ति दिवस पर शास्त्री चौक क्षेत्र में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, गृह सचिव भारत सरकार नई दिल्ली तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

भेजे ज्ञापन में विमुक्त जनजाति (डीएनटी) एवं निषाद वंश की उपजातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने तथा जातिगत जनगणना में सही स्थिति दर्ज किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि निषाद वंश की विभिन्न पर्यायवाची जातियों को जनगणना में एक ही नाम के अंतर्गत दर्ज किया जाए तथा 'मझवार' के कॉलम में विमुक्त जनजाति (डी–टी–) का उल्लेख किया जाए, जिससे समाज की वास्तविक संख्या का सही आंकलन हो सके। निषाद समाज ने उत्तर प्रदेश में निषाद वंश की सभी पर्यायवाची जातियों को अन्य राज्यों की तर्ज पर अनुसूचित जाति (एस.सी.) की सूची में शामिल करने की मांग की। साथ ही संविधान समीक्षा आयोग की सिफारिशों के अनुरूप विमुक्त जनजातियों को शिक्षा, नौकरी और राजनीति में आरक्षण तथा पेंशन की सुविधा दिए जाने की मांग भी ज्ञापन में की गई।

इसके अलावा वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए निषाद वंश के सेनानियों के गांवों को 'आदर्श शहीद गांव' घोषित करने और उनके परिवारों को स्वतंत्रता सेनानी सम्मान दिए जाने की मांग रखी गई।

जिला अध्यक्ष अशोक निषाद और युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मराज निषाद ने ज्ञापन सौंपने के बाद कहा कि निषाद समाज को राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि डॉ. संजय निषाद लगातार निषाद समाज के हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समाज की जायज मांगें जल्द पूरी होंगी।

प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान अजय कुमार निषाद, ज्ञान प्रकाश निषाद, हरिप्रसाद साहनी, पीताम्बर, गोरखनाथ निषाद, धनपत कुमार, बृजमोहन निषाद, प्रेमचंद निषाद, यमुना निषाद, विजय कुमार निषाद, रेनू निषाद, योगेंद्र कुमार गौतम, सोहनलाल, वृजमोहन निषाद, विजय कुमारी, बृजेश निषाद सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दीपचन्द अध्यक्ष, विनोद कुमार संगठन महामंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल उत्तर प्रदेश की नई कार्यकारिणी का विशेश्वरगंज बाजार में गठन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के आह्वान और जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। नई कार्यकारिणी में दीपचन्द कसौधन को अध्यक्ष और विनोद कुमार कसौधान को संगठन महामंत्री बनाया गया। वहीं सरजू प्रसाद कसौधन को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रवि कसौधन को महामंत्री, अभय सिंह को वरिष्ठ मंत्री, संत कुमार कसौधन को मंत्री, प्रेमचंद कसौधन को संगठन मंत्री और बृजेश कसौधन को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। डॉ. राजवंत सिंह को संरक्षक एवं बस्ती मंडल उपाध्यक्ष बनाया गया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बस्ती मंडल अध्यक्ष डॉ. हरिमूर्ति सिंह मनोज भी मौजूद रहे।

–उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल का विस्तार

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने व्यापारी हितों की रक्षा करने और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला संगठन महामंत्री भारत राम बबलू अग्रहरि, जिला कोषाध्यक्ष महेंद्र गुप्ता, उद्योग मंच के जिला अध्यक्ष कमलेश चौधरी, जिला महामंत्री सत्यम सिंह, जिला मंत्री कमलेश वर्मा, बस्ती नगर अध्यक्ष राणा महेंद्र प्रताप और जिला युवा अध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान संगठन की प्राथमिकता है। किसी भी व्यापारी को परेशानी होने पर संगठन उसके साथ खड़ा रहेगा और समस्या के समाधान के लिए हर स्तर पर प्रयास करेगा। उन्होंने अधिक से अधिक व्यापारियों को संगठन से जोड़ने का आग्रह किया।

विधानसभा चुनाव को लेकर आजाद समाज पार्टी ने बनायी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) एवं भीम आर्मी भारत एक मिशन के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यकर्ता बैठक का आयोजन पटेल चौक स्थित एक रेस्टोरेंट में किया गया। बैठक का आयोजन जिला संयोजक भाईचारा कमेटी विश्वकर्मा समाज अखिलेश विश्वकर्मा, जिला संयोजक मूलचंद आजाद तथा जिला उपाध्यक्ष रितेश कुमार के नेतृत्व में हुआ।

–ओबीसी और विश्वकर्मा समाज को पार्टी से जोड़ने पर जोर

मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष भाईचारा कमेटी विश्वकर्मा समाज ईश्वर चंद्र विश्वकर्मा ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को पार्टी का कैडर बताते हुए आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने के तरीके समझाए। उन्होंने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने के साथ ही ओबीसी समाज और विशेष रूप से विश्वकर्मा समाज के अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जाए। कहा कि समतामूलक समाज की स्थापना करना आजाद समाज पार्टी का लक्ष्य है।

विशिष्ट अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी अरबाबुल हक, मंडल प्रभारी कमलेश सचान, प्रदेश संयुक्त सचिव बृजेश यादव, ऋषिकेश तथा डॉ. रमेश चंद्र धुरिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कहा कि सांसद चन्द्रशेखर आजाद लगातार ओबीसी समाज के हक और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं तथा संसद में समाज से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में आजाद समाज पार्टी पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी।

बैठक का संचालन जिला पंचायत सदस्य खुर्शीद आलम ने किया। इस दौरान संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में राजन विश्वकर्मा, राहुल, सोनू सिंह गौतम, अवनीश कुमार, महेंद्र कुमार, राना प्रवीण कुमार, शमशेर अहमद, अनिल यादव, देवेंद्र कुमार, शैलेंद्र कुमार, फूल कुमार, पवन कुमार विश्वकर्मा, श्याम सुंदर, प्रमोद विश्वकर्मा, कपिल देव शर्मा, विष्णु देव, गुलाबचंद, मिथुन कुमार, गोविंद कुमार, नसीम खान समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

हरिजन आबादी की जमीन पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरिजन आबादी की जमीन पर अवैध कब्जे के आरोप को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों ने सोमवार को मंडलायुक्त और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन भीम युवा वाहिनी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद और ग्रामीण महेन्द्र कुमार के नेतृत्व में सौंपा गया।

–कब्जा हटाकर पात्र ग्रामीणों को जमीन आवंटित करने और आरोपी पर कार्रवाई की मांग

ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा है कि वे ग्राम गहरवार ज्योत, थाना लालगंज, तहसील व जिला बस्ती के निवासी हैं। गांव की हरिजन आबादी की भूमि पर रामदत्त चौधरी पुत्र झिनकान द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर मकान का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त भूमि को कब्जा मुक्त कराना जनहित में आवश्यक है।

ग्रामीणों के मुताबिक, मामले को लेकर न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया गया था, लेकिन याचिका खारिज होने के बावजूद संबंधित व्यक्ति द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा किया जा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि आरोपी को हरिजन आबादी की भूमि पर कब्जा करने से रोका जाए तथा पात्र ग्रामीणों को उक्त आबादी की भूमि आवंटित कर कब्जा दिलाया जाए।

भीम युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद और ग्रामीण महेंद्र कुमार ने कहा कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है और दबंगई के बल पर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने प्रशासन से कब्जा हटवाने के साथ आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

ज्ञापन देने वालों में वंदना, कमला देवी, अनीता, सरिता, अशोक कुमार, रंगीलाल, सुरजीत, महेंद्र कुमार, अश्वनी कुमार, शशिकला, नीलम, मनीषा, महिमा, सोनाली, पल्लवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

हरीश द्विवेदी का विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में हुआ भव्य अभिनन्दन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद सोमवार को पहली बार जनपद आगमन पर हर्रैया विधानसभा क्षेत्र में भव्य स्वागत किया गया। विक्रमजोत स्थित एक ढाबे पर हर्रैया विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में आयोजित स्वागत समारोह में हजारों की संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। इसी अवसर पर भाजपा की नवनियुक्त राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्रीमती संगीता यादव का भी भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया।

हरीश द्विवेदी और संगीता यादव के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। फूल–मालाओं से उनका स्वागत करते हुए कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विधायक अजय सिंह ने कहा कि हरीश द्विवेदी को भाजपा का राष्ट्रीय महामंत्री बनाया जाना हम सभी के लिए गौरव का विषय है। यह जिम्मेदारी उनके वर्षों के संगठनात्मक परिश्रम, समर्पण और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हरीश द्विवेदी ने सांसद रहते हुए भी क्षेत्र और संगठन के कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद बनाए रखा। विधायक ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता की मेहनत और संगठन के प्रति समर्पण को हमेशा सम्मान मिलता है। हरीश द्विवेदी इसका एक बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठन के लिए काम किया और आज पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय नेतृत्व में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर कार्यकर्ताओं का सम्मान बढ़ाया है। उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता का लाभ निश्चित रूप से पूरे संगठन को मिलेगा। भाजपा की नवनियुक्त राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद संगीता यादव का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि संगीता यादव को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी मिलना भी संगठन की मजबूती का संकेत है। उनका अनुभव और सक्रियता पार्टी को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भाजपा का मजबूत संगठन इस यात्रा को और गति देने का काम कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की नीतियों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक बूथ और प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

स्वागत समारोह में ब्लॉक प्रमुख विक्रमजोत कृष्ण कुमार सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह, उमेश मद्धेशिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष राज नारायण मिश्रा, भगवान बख्श सिंह व शिव प्रसाद सिंह, श्रवण तिवारी, अनिल सिंह कोले प्रधान, रमेश दूबे, चतुर्गुण राजभर, राजदत्त शुक्ला पूर्व प्रधान, काटन सिंह पूर्व प्रधान, डिप्टी सोनी पूर्व प्रधान, अमरनाथ तिवारी, डिम्पल सिंह, राजेश सिंह, विक्कू सिंह, भरत लाल पटेल, चिंताराम वर्मा, राकेश वर्मा, मनोज सिंह, संतोष शुक्ला प्रधान, शैलेन्द्र सिंह, राम स्वारथ सिंह डायरेक्टर, कौशल किशोर सिंह, बृजेश मिश्रा, सुधाकर तिवारी, राम प्रगट सिंह, राम हंकार पाण्डेय प्रधान, लवकुश मोदनवाल, संतोष सिंह, शिवरंग सिंह, खानन सिंह, श्रीराम सिंह, अमरनाथ सिंह, शक्तिधर द्विवेदी, अमित द्विवेदी, भगवती प्रसाद पूर्व प्रधान, संजय पाण्डेय, चंद्रमणि सिंह प्रधान, पंकज सिंह प्रधान, सुधाकर दूबे, लालमणि कनौजिया प्रधान, सुधांशु पाण्डेय प्रधान, देव दत्त सिंह प्रधान, रघुनाथ सिंह प्रधान, बबलू सिंह प्रधान, अवधेश सिंह, विवेक तिवारी, उत्तम सिंह एवं अवधेश वर्मा पूर्व प्रधान सहित हजारों पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

शिक्षा, स्वास्थ्य में सुधार यूजीसी का नया कानून वापस लेने की मांग को लेकर चौपाल में गूंजा आक्रोश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय सवर्ण शक्ति मोर्चा द्वारा गौर विकास खण्ड के जलालाबाद गांव में आयोजित जन जागृति आक्रोश चौपाल में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने यूजीसी काले कानून एवं शिक्षा में आरक्षण, बदहाल होती स्वास्थ्य व्यवस्था एवं युवाओं के भविष्य और विभिन्न जनहित के मुद्दों पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। सभा में मोर्चा अध्यक्ष रामजी पाण्डेय ने मांग किया कि यूजीसी काले कानून को जल्द वापस लिया जाए नहीं तो सरकार को सवर्ण समाज आगामी चुनाव में वोट न देकर भाजपा सरकार को उखाड़ कर फेंकने का काम करेगा। अगर सरकारी जन सुविधाओं को नजर अंदाज करती रही और ई–20 पेट्रोल नीति सहित आम जनता को प्रभावित करने वाली शिक्षा स्वास्थ्य और बेरोजगारी जैसे विभिन्न नीतियों पर सुधार नहीं हुआ तो चुनाव में भाजपा का खुलकर विरोध और वहिष्कार किया जाएगा और वोट मांगने आए प्रत्याशियों को मुँहतोड़ जवाब दिया जाएगा। कहा कि एक तरफ जहां भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री के स्वागत में लोग व्यस्त रहे वहीं मोर्चा जनहित के सवालों को लेकर संघर्षरत है। जनता को इस अंतर को समझना होगा।

–जनहित के मुद्दों का समाधान न हुआ तो चुनाव में होगा भाजपा का बहिष्कार– रामजी पाण्डेय

मुख्य वक्ता रामप्रताप सिंह ने कहा कि जिन नए प्रावधानों का विरोध किया जा रहा है, उसमें सवर्ण समाज के बच्चों के भविष्य पर खतरा हैं उन्हें बिना व्यापक जनसंवाद और सहमति के लागू किया गया, जिससे छात्रों, अभिभावकों और समाज के एक बड़े वर्ग में असंतोष व्याप्त है। अमितेष प्रताप सिंह ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था लगातार अनिश्चितता की ओर बढ़ रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार आरक्षण से योग्यता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है । यशवंत सिंह रोलू ने कहा यूजीसी काले कानून से युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों तथा उच्च शिक्षा में बार–बार किए जा रहे बदलावों ने छात्रों का विश्वास कमजोर किया है। प्रमोद सिंह ने मांग किया कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक प्रयोगों का माध्यम बनाने के बजाय छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

चौपाल में नौकरियों में आरक्षण एवं स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि आम नागरिक को आज भी गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं।

राष्ट्रीय सवर्ण शक्ति मोर्चा ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं के भविष्य और जनहित से जुड़े मुद्दों पर जनभावनाओं की लगातार अनदेखी की गई, तो जनता लोकतांत्रिक तरीके से आगामी चुनाव में इसका जवाब देगी। लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च है और सरकारों का भविष्य जनता के विश्वास पर निर्भर करता है। सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो संगठन प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चलाकर व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन को आगे बढ़ाएगा।

जन जागृति चौपाल में जलालाबाद प्रभारी प्रियतेष दूबे पिंटू, सेक्टर प्रभारी सिद्धार्थ तिवारी, जीत नारायण मिश्र, अन्य सेक्टर प्रभारी प्रेम शंकर राठौर, आशीष सिंह राठौर, जयसिंह राठौड़, उदय प्रताप सिंह, सहित बड़ी संख्या मे गणमान्य ग्रामीण जागरुक जनता संगठन सिपाही श्री रवि सिंह, श्यशवंत सिंह, प्रमोद सिंह, अमितेष प्रताप सिंह, साकेत त्रिपाठी, अन्य सेक्टर प्रभारी रवीन्द्र पाण्डेय, उदय प्रताप सिंह बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहें।

दोपहर की कड़ी धूप, शाम की बारिश के बीच भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी का फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दोपहर की कड़ी धूप, शाम की बारिश के बीच भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के प्रथम बस्ती आगमन पर पूरे जिले में कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और समर्थकों द्वारा सोमवार को अभूतपूर्व एवं भव्य स्वागत किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने पूरी गर्मजोशी के साथ अपने नेता का अभिनंदन किया। ई. अरविन्द पाल ने घघौआ पुल पर फूल मालाओं के साथ हरीश द्विवेदी का स्वागत किया।

–लखनऊ से बस्ती तक हरीश द्विवेदी के स्वागत में उमड़े कार्यकर्ता: होर्डिगों से पट गया शहर

हरीश द्विवेदी के बस्ती सीमा 'घघौवा' पहुँचते ही ढोल–नगाड़ों, माल्यार्पण, गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश एवं आतिशबाजी के साथ कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके पश्चात उनका काफिला पराग ढाबा, विक्रमजोत, छावनी, हर्रैया, महाराजगंज, कप्तानगंज, तिलकपुर शिव मंदिर, गोटवा, रिठिया फुटहिया, मूड घाट, बड़ेवन, साईं मंदिर कटरा ,कंपनी बाग, गांधीनगर, रोडवेज तथा दक्षिण दरवाजा होते हुए आगे बढ़ा। पूरे मार्ग पर जगह–जगह पुष्पवर्षा और आतिशबाजी कर कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय महामंत्री का अभिवादन किया।

तत्पश्चात काफिला होटल बालाजी प्रकाश होते हुए सुयेश होटल के सभागार पहुँचा, जहाँ एक भव्य श्आभार एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, प्रभारी और बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं तथा आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया

विधायक अजय सिंह, रवि सोनकर, संजय जायसवाल, चंद्रप्रकाश शुक्ला, दयाराम चौधरी, प्रेम सागर तिवारी, यशकान्त सिंह, सुशील सिंह, पवन कसौधन, राजेश पाल चौधरी, गोपेश्वर त्रिपाठी, राना दिनेश प्रताप सिंह, अनिल सिंह,अवधेश सिंह,राज किशोर सिंह, संजय चौधरी,गजेंद्र सिंह, हरीश सिंह, धुव सिंह, अश्विन उपाध्याय ,प्रत्युष विक्रम सिंह, भानु प्रकाश मिश्रा, रोली सिंह, अखंड प्रताप सिंह, वैभव पांडे, डॉ रघुवर पांडे, वीरेंद्र गौतम, ब्रह्मदेव यादव 'देवा', दिलीप पाण्डेय, शिवानी सिंह, अमृत कुमार वर्मा, अभिषेक कुमार गौतम, प्रेम प्रकाश चौधरी, सुनील सिंह, राकेश शर्मा, राजेन्द्र राजभर, नीलम गौड़, प्रदीप निषाद, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, सुधाकर पाण्डेय श्नीरजश, विनय सिंह भारद्वाज, राधेश्याम कमलापुरी, रवि कुमार तिवारी, अजयपाल सिंह, नीरज त्रिपाठी, ओमकार सिंह, मनोज कुमार पाठक, लवकुश शुक्ला, गंगेश सिंह, राजेश कमलापुरी, गौरव मणि तिवारी, गिरजेश यादव, जनकराम गौतम, जमुना पाण्डेय, सुजीत सोनी, सुधाकर विक्रम सिंह, सुरेश भट्ट, कमेन्द्र चौहान, सर्वजीत भारती, विशुद्धानंद त्रिपाठी, शिव प्रसाद चौधरी, तारक जायसवाल, विजय भान सिंह, अंकित पाण्डेय 'पवन', संजय कुमार चौरसिया, आशा सिंह, वेद प्रकाश त्रिपाठी, दुर्गेश अग्रहरी, शिवचरण जायसवाल, जवाहर लाल जायसवाल, दुष्यंत विक्रम सिंह, राज कुमार शुक्ल, सत्येन्द्र सिंह 'भोलू', विनय यादव, नागेंद्र सिंह सिंकु,विनय सिंह श्सोनूश श्रुति अग्रहरि मनोज सिंह,विजय कुमार राजू, जगदीश अग्रहरी , नितेश शर्मा, सहित सैकड़ों अन्य पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ ने स्वागत किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 सितम्बर 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

राम रहीम पर मेहरबानी के निहितार्थ

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जो कानून या नियम–कायदे कभी आपात स्थिति या बहुत जरूरी होने पर ही प्रयोग किए जाने के लिए बनाए गए होंगे, उन्हें कई बार कुछ खास लोगों को विशेष सुविधा मुहैया कराने का औजार बना लिया जाता है। यह एक तरह से किसी कानून का दुरुपयोग है और जब लगातार ऐसा होता है, तो सवाल उठता है कि क्या सरकार नागरिकों के प्रति किसी कानून को बरतने के मामले में अपने स्तर से भी भेदभाव करती है। वरना क्या वजह है कि जघन्य अपराधों में दोषी ठहराए गए किसी सजायाफ्ता को सिर्फ इसलिए बार–बार किसी कानून का लाभ दिया जाता है कि वह ऊंची रसूख वाला है या फिर उसकी खासी राजनीतिक पैठ है?

गौरतलब है कि हरियाणा के सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर इक्कीस दिन की फरलो दी गई है। यानी इस सुविधा के मिलने के बाद फिर से राम रहीम रोहतक स्थित सुनारिया जेल से बाहर निकल कर अपने आश्रम में रहेगा। इससे पहले भी उसे बारह बार पैरोल और पांच बार फरलो की सुविधा मिल चुकी है। ऐसा लगता है कि राम रहीम अपनी सजा को सिर्फ औपचारिकता भर के लिए अपनी सुविधा के मुताबिक काट रहा है और उसे जब जरूरत पड़ती है, वह किसी न किसी बहाने जेल से बाहर आने का रास्ता बना लेता है।

सवाल है कि जिन नियम–कायदों के तहत राम रहीम को इस तरह की छूट बार–बार दी जा रही है, क्या सरकार यह दावा करने की स्थिति में है कि इस मामले में वह पूरी तरह तटस्थ और न्याय के तकाजे के मुताबिक काम कर रही है। बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराध में जिस व्यक्ति को सजा हुई, उसे लेकर इस स्तर पर जाकर नरमी बरतने का आखिर क्या कारण है? इस पर विपक्षी दलों और अनेक सामाजिक संगठनों की ओर से तीखी आपत्ति और विरोध जाहिर किए जाने पर सरकार की सफाई है कि राम रहीम को इस तरह की रिहाई नियमों के तहत दी जाती है।

क्या सरकार गंभीर अपराधों की सजा काटने वाले अन्य लोगों के प्रति भी समान मानकों के तहत ऐसा ही रुख अपनाती है? फिर किसी भी कैदी को लेकर इतना उदार रवैया दिखाने की क्या वजह हो सकती है कि पिछले दस साल में उसे सत्रह बार अलग–अलग कारणों से कभी पैरोल पर, तो तभी फरलो पर जेल से बाहर अपना समय सुविधाजनक तरीके से काटने की छूट दी जाती है?

यों राम रहीम को इस तरह जेल से बाहर रहने की सुविधा मुहैया कराते हुए शायद केवल उसकी जरूरतों का ही ध्यान रखा जाता है! मगर एक विचित्र संयोग यह भी देखा गया है कि जब भी उसके प्रभाव क्षेत्र में चुनाव होने वाले होते हैं, तब आमतौर पर उसे खासी अवधि के लिए पैरोल या फिर फरलो की सुविधा मिल जाती है। फिलहाल पंजाब में विधानसभा चुनावों का समय करीब है और कई उत्तरी राज्यों सहित हरियाणा तथा पंजाब में राम रहीम के अनुयायी बड़ी संख्या में हैं।

ऐसे में स्वाभाविक ही ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि राम रहीम को दरअसल चुनावी लाभ उठाने के मकसद से बार–बार जेल से बाहर निकलने की इजाजत दी जाती है। सरकार को शायद इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि राम रहीम के प्रति इस तरह उदारता बरतने के क्रम में कानून की मनमानी व्याख्या करने की वजह से न्याय की अवधारणा को किस स्तर पर चोट पहुंच रही है।

व्यवस्था पर भारी पड़ता भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार एक ऐसी दीमक है, जो किसी भी देश, समाज और उसकी व्यवस्था को अंदर से पूरी तरह खोखला कर देती है। इसका सबसे ज्यादा असर समाज के गरीब, वंचित और उस जरूरतमंद वर्ग पर पड़ता है, जिसे अपने जीवन में हर मोड़ पर संघर्ष करना पड़ता है। इससे एक ऐसी अराजकता पैदा होती है, जो सीधे तौर पर नजर नहीं आती, लेकिन वह व्यवस्थागत प्रणाली को पंगु कर देती है। कहने को केंद्र और राज्य सरकारें भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर अमल कर रही हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में नगर निगम के पार्षदों से जुड़ा एक वीडियो कुछ और ही हकीकत बयान करता है।

खबरों के मुताबिक, इस वीडियो में पार्षद हाथ में जल लेकर यह शपथ लेते नजर आ रहे हैं कि नगर निगम से होने वाली आय को सभी के बीच बराबर बांटा जाएगा। इस मामले में कार्रवाई को लेकर गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संबंधित राजनीतिक दल और महापौर की ओर से इन पार्षदों को सिर्फ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

इस वीडियो के सामने आने के बाद सड़क से सियासी गलियारों तक कई सवाल उठ रहे हैं। आखिर ये पार्षद नगर निगम की किस आय के बंटवारे की बात कर रहे थे। क्या ऐसी कोई व्यवस्था है कि किसी स्थानीय निकाय की आमदनी को जनप्रतिनिधियों में बांटा जाता है! विपक्षी दल इस मामले पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका दावा है कि वीडियो में पार्षद भ्रष्टाचार से होने वाली कमाई के बंटवारे की बात कर रहे थे। इस पर संबंधित जिलाधिकारी का यह बयान और भी विचित्र है कि इस मामले में अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है, जिसके आधार पर जांच कराई जा सके।

ऐसे में सवाल है कि किसी सार्वजनिक मंच पर प्रचारित हुए वीडियो के आधार पर क्या प्रशासन की ओर से स्वतः संज्ञान नहीं लिया जा सकता? दूसरा, भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था का दावा करने वाली राज्य सरकार की ओर से अभी तक इस मामले में दखल क्यों नहीं दिया गया? जाहिर है कि सिर्फ दावों और घोषणाओं से भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा, जरूरत इसकी जड़ों पर प्रहार करने की है।

रूढियों से घिरे समाज से बढता संकट

—सुरेश सेठ—

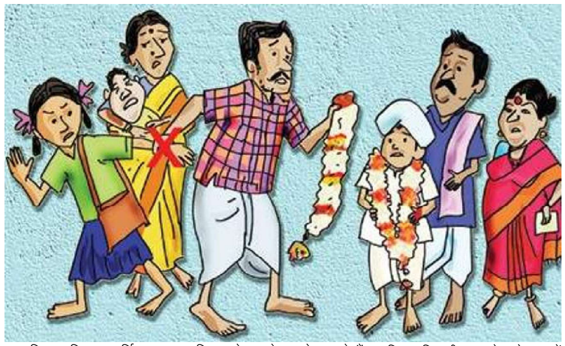

वास्तविक आधुनिकता तभी संभव है, जब समाज महिलाओं को वस्तु या लेन–देन का माध्यम नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में स्वीकार करे। सवाल यही है कि भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच ये घृणित रूढ़ियां आखिर कब टूटेंगी?

भारत को प्रगतिशील, आधुनिक और विश्व के अग्रणी देशों में गिनते हुए हम नहीं थकते। देश की प्राचीन सांस्कृतिक गरिमा हमें गर्व का अनुभव कराती है, लेकिन मध्यकाल से लेकर आज तक चली आ रही अनेक जर्जर रूढ़ियां और परंपराएं हमें शर्मिंदा भी करती हैं। दास प्रथा भले ही समाप्त हो चुकी हो, पर छुआछूत, दहेज, बाल विवाह, शादी–ब्याह में फिजूलखर्ची और सामाजिक आडंबर जैसी कुरीतियां किसी न किसी रूप में आज भी मौजूद हैं।

शादियों में बढ़–चढ़कर खर्च करना और दिखावे के माध्यम से सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदर्शित करना एक प्रकार का कारोबार बन चुका है। डेस्टिनेशन वेडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पर्यटन विभाग भी चाहता है कि ऐसी शादियां भारत के सुंदर स्थलों पर हों, ताकि देश का धन देश में रहे, किंतु धनी वर्ग विदेशी स्थलों की ओर आकर्षित होता है। इससे अनावश्यक विदेशी खर्च बढ़ता है। जनजागरण के तमाम प्रयासों के बावजूद पुरानी रूढ़ियां नए रूपों में बार–बार सामने आ जाती हैं।

वर्षों से सामाजिक और कानूनी अभियानों के बावजूद देश में बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं। यह माना जाता है कि आज लड़कियों को शिक्षा, प्रतियोगिताओं और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं तथा वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। फिर भी कुछ राज्यों में बाल विवाह जारी हैं। कहीं न कहीं सामाजिक दबाव इसके लिए जिम्मेदार है।

महिला बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, 27 अगस्त 2026 तक देश में बाल विवाह से जुड़े 3,863 मामले सामने आए। प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से 3,405 बाल विवाह रोके गए, जबकि पुलिस शिकायतों, बाल कल्याण समितियों की रिपोर्टों और विवाह निरस्तीकरण से जुड़े मामलों को मिलाकर 458 मामले दर्ज हुए। ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या समाप्त नहीं हुई है और सामाजिक जागरूकता के दावे पूरी तरह वास्तविकता से मेल नहीं खाते।

बाल विवाह रोकने के मामले में मध्य प्रदेश सबसे आगे रहा, जहां 703 विवाह रोके गए। इसके बाद झारखंड में 534, हरियाणा में 531, त्रिपुरा में 353 और आंध्र प्रदेश में 326 बाल विवाह रोके गए। दूसरी ओर, बाल विवाह संबंधी आपराधिक मामलों में महाराष्ट्र में 154, राजस्थान में 152, पश्चिम बंगाल में 96 और छत्तीसगढ़ में 84 मामले दर्ज किए गए। मंत्रालय के अनुसार मध्य प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश में देशभर की कुल शिकायतों का बड़ा हिस्सा केंद्रित रहा। कुछ राज्यों में त्वरित पुलिस कार्रवाई से रोकथाम में उल्लेखनीय सफलता मिली, जिनमें हरियाणा और तमिलनाडु शामिल हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, गोवा, लद्दाख, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, सिक्किम तथा दादरा एवं नगर हवेली से बाल विवाह की कोई रिपोर्ट नहीं मिली। इससे स्पष्ट है कि पूरा देश एक जैसी सामाजिक परिस्थितियों में नहीं जी रहा। फिर भी जिन बड़े राज्यों में आर्थिक और भौतिक विकास के दावे अधिक हैं, वहां भी बाल विवाह जैसी कुरीतियों का बने रहना हमारी प्रगति की असमान और विरोधाभासी तस्वीर प्रस्तुत करता है।

बाल विवाह केवल कानून–व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक असुरक्षा, सामाजिक दबाव, लैंगिक भेदभाव और कई अन्य विकृत मानसिकताओं से जुड़ी समस्या है। जिस देश में तेज आर्थिक विकास, मोबाइल और डिजिटल पहुंच तथा शिक्षा के विस्तार के दावे किए जाते हैं, वहां दहेज प्रथा का निर्बाध बने रहना भी गंभीर विरोधाभास है। दहेज को अक्सर 'उपहार' का नाम देकर सामाजिक स्वीकृति देने की कोशिश की जाती है, लेकिन विवाह और तलाक से जुड़े विवादों से स्पष्ट होता है कि आज भी लड़कियों के परिवारों पर कार, मकान और अन्य महंगी वस्तुएं देने के लिए प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष दबाव डाला जाता है। विडंबना यह है कि विवाह संबंध तय करते समय लड़की के परिवार की आर्थिक क्षमता का आकलन इस दृष्टि से किया जाता है कि उपहारों के नाम पर कितना लाभ प्राप्त हो सकता है। धनाढ्य वर्ग में भी बेमेल विवाह और आर्थिक हैसियत के आधार पर रिश्तों का निर्धारण दिखाई देता है।

अतः यह मान लेना आत्मप्रवंचना होगी कि भारत ने पुरानी सामाजिक कुरीतियों से पूरी तरह मुक्ति पा ली है। आधुनिकता केवल तकनीक, ज्ञान, उपभोग और ऊंची इमारतों से नहीं आती। वास्तविक आधुनिकता तभी संभव है, जब समाज महिलाओं को वस्तु या लेन–देन का माध्यम नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में स्वीकार करे। सवाल यही है कि भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच ये घृणित रूढ़ियां आखिर कब टूटेंगी और भारतीय समाज अपने व्यवहार में सच्ची प्रगतिशीलता कब अपनाएगा?—लेखक साहित्यकार हैं।

विकास के लिये टूटते पहाड़, बिखरती उम्मीदें

—देवी चेरियन—

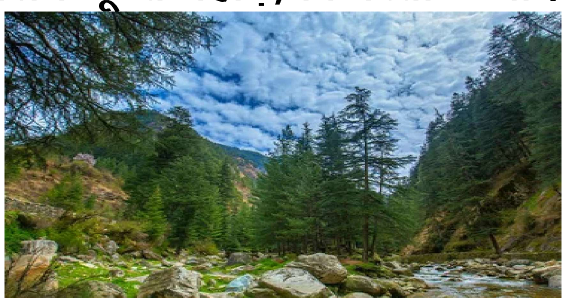

पहाड़ों को ढहते हुए देखने में कुछ बहुत ही विचलित करने वाला है। अधिकांश लोगों के लिए पहाड़ एक सुंदर भूदृश्य है, एक ऐसी जगह, जहां वे भागकर आ सकते हैं, ताजी हवा में सांस ले सकते हैं, तस्वीरें ले सकते हैं और शहरों के शोर–शराबे से दूर, कुछ शांतिपूर्णदिन बिता सकते हैं। हममें से जो पहाड़ों से आते हैं, उनके लिए यह बिल्कुल अलग है। यह हमारा घर है। मैं हिमाचल प्रदेश से आती हूं। मेरी जड़ें चंबा में हैं, एक ऐसी जगह, जहां पहाड़ पृष्ठभूमि में मात्र एक दृश्य नहीं हैं, वे हमारे जीवन, हमारी स्मृतियों और हमारी पहचान का हिस्सा हैं। हम उन घुमावदार सड़कों, उन खड़ी घाटियों, उन नदियों और उन विशाल ढलानों के साथ बड़े हुए हैं, जो एक ही समय में भव्य और भयावह दोनों लग सकती हैं। और इसलिए, जब मैं हिमालयी क्षेत्र में एक और त्रासदी घटते देखती हूं, तो मेरे लिए इसे सिर्फ एक अन्य समाचार के रूप में देखना असंभव हो जाताहै। पिछले साल, मेरे अपने गृहनगर चंबा में मूसलाधार बारिश के प्रकोप में लोगों ने अपनी जान गंवाई। हर मौत के पीछे एक परिवार था। किसी का पति। किसी की पत्नी। किसी का बच्चा। किसी के माता–पिता। कोई ऐसा व्यक्ति, जो एक और सामान्य दिन की उम्मीद में सोने गया था और कभी उसदिन में जाग नहीं सका।

आपदाओं की बात करते समय यह वह हिस्सा है जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं। हम आंकड़ों की बात करते हैं। लेकिन जब यह आपका अपना परिवार होता है, तो वह कोई आंकड़ा नहीं होता और शायद यही कारण है कि नेपाल की त्रासदी को हिमालयी क्षेत्र की हर सरकार को बेहद असहज कर देना चाहिए क्योंकि वहां जो हो रहा है वह केवल नेपाल की समस्या नहीं है। यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है। हिमालय पर भारी दबाव है। हर साल मानसून वही भयावह दृश्य लेकर आता है–सड़कों को निगलते भूस्खलन, पुलों और घरों को बहा ले जाती उफनती नदियां, टनों मलबे के नीचे दबे वाहन, फंसे हुए पर्यटक और देश के बाकी हिस्सों से कटे हुए गांव।

फिर वही परिचित प्रतिक्रिया आती है। बचाव दल भेजे जाते हैं। सिर के ऊपर हैलीकॉप्टर उड़ते हैं। मंत्री चिंता व्यक्त करते हैं। मुआवजे की घोषणा की जाती है। सड़कों की मुरम्मत का वादा किया जाता है और अंततरू सुर्खियां गायब हो जाती हैं। लेकिन पहाड़ नहीं भूलते। परिवार नहीं भूलते। और अगला मानसून आ जाता है। हमें खुद से एक बहुत ही असहज करने वाला सवाल पूछना होगा–इसमें से वास्तव में कितनी प्राकृतिक आपदा है और कितनी हम खुद पैदा कर रहे हैं? इसमें कोई संदेह नहीं कि चरम मौसम अधिक अप्रत्याशित होता जा रहा है और जलवायु परिवर्तन नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है लेकिन हम कुछ बहुत ही खतरनाक भी कर रहे हैं। हम ऐसे निर्माण कर रहे हैं मानो पहाड़ मैदान हों। हम होटलों को ऐसे मंजूरी देते हैं मानो जमीन कभी हिलेगी ही नहीं। हम नदियों और नालों के बेहद करीब इमारतें बनने देते हैं। हम अवैध निर्माण देखते हैं और कभी–कभी अनदेखा कर देते हैं। हम राजमार्ग बनाने के लिए पहाड़ों को काटतेहैं, अक्सर जल निकासी, ढलान की स्थिरता और भूभाग के भूवैज्ञानिक स्वरूप पर पर्याप्त विचार किए बिना। हम बांध, सुरंगें और सड़कें बनाते हैं क्योंकि वे निवेश, बिजली, कनेक्टिविटी और नौकरियां लाते हैं। ये सभी चीजें महत्वपूर्ण हैं। लेकिन सवाल यह नहीं है कि क्या पहाड़ विकास के हकदार हैं? बेशक वे हैं। सवाल यह है कि पहाड़ किस तरह के विकास का सुरक्षित रूप से वहन कर सकते हैं? विकास और अंधाधुंध निर्माण के बीच जमीन–आसमान का अंतर है।

सड़क जरूरी है लेकिन क्या इसे पहाड़ को सबसे विनाशकारी तरीके से काटकर ही बनाना होगा? एक होटल रोजगार प्रदान करता है लेकिन क्या उसे किसी कमजोर ढलान पर या नदी के खतरनाक रूप से करीब खड़ा होना जरूरी है? बिजली आवश्यक है लेकिन क्या हर घाटी को किसी अन्य परियोजना के लिए एक सुविधाजनक स्थान माना जा सकता है? ये विकास विरोधी सवाल नहीं हैं। ये सामान्य समझ के सवाल हैं। दुर्भाग्य से, जब भारी मात्रा में पैसा शामिल होता है, तो सामान्य समझ गायब होती दिखाई देती है। सरकारें स्वाभाविक रूप से निवेश चाहती हैं। व्यवसाय मुनाफा चाहते हैं। पर्यटक बेहतर सड़कें और अधिक आवास चाहते हैं। राजनेता ऐसी विकास परियोजनाएं चाहते हैं जिन्हें वे दिखा सकें। लेकिन जो लोग वहां रहते हैं, उन्हें इसके परिणामों के साथ जीना पड़ता है। मौसम खराब होने पर एक पर्यटक हिल स्टेशन छोड़कर जा सकता है। एक स्थानीय परिवार नहीं जा सकता। सड़क टूटने पर पर्यटक घर लौट सकता है। एक दुकानदार, जिसका व्यवसाय नष्ट हो गया है, वह बस अपना सामान समेटकर कहीं और नहीं जा सकता। एक ठेकेदार परियोजना पूरी करके दूसरी जगह जा सकता है, पर्वतीय समुदाय पीछे ही रहताहै। यही कारण है कि स्थानीय लोगों की आवाज कामहत्व वर्तमान की तुलना में कहीं अधिक होना चाहिए।

किसी बड़ी होटल परियोजना को मंजूरी देने से पहले, किसी पहाड़ी को काट कर राजमार्ग बनाने से पहले, किसी अन्य बांध या सुरंग को मंजूरी देने से पहले, सरकारों को एक सीधा सवाल पूछना होगा–क्या यह पहाड़ वास्तव में इसे झेल सकता है? और उन्हें इसका जवाब स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों, पर्यावरण विशेषज्ञों और सबसे महत्वपूर्ण, उन लोगों से चाहिए जो पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं, न कि केवल उन लोगों से, जिनका काम परियोजना को मंजूरी दिलाना है। पर्यावरणीय स्वीकृतियां केवल कागजी कसरत नहीं बननी चाहिएं। भवन निर्माण के नियम केवल सरकारी फाइलों में नहीं होने चाहिएं। विडंबना यह है कि हम उसी चीज को नष्ट कर रहे हैं, जो लोगों को पहली बार में पहाड़ों की ओर आकर्षित करती है। लोग हिमाचल उसके जंगलों, नदियों, स्वच्छ हवा, घाटियों और सुंदर परिदृश्यों के लिए आते हैं। फिर हम जंगलों के ऊपर निर्माण करते हैं, सड़कों को यातायात से जाम कर देते हैं, नदियों में कचरा फैंकते हैं, ढलानों को कंक्रीट से ढक देते हैं और सोचते हैं कि पहाड़ अस्थिर क्यों हो रहे हैं। हम पर्यटक को वास्तव में क्या बेच रहे हैं? बिना पहाड़ के एक पहाड़ी छुट्टी? हमें प्रगति की अपनी परिभाषा पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। एक खोए हुए जीवन का पुनर्निर्माण किसी सड़क की तरह नहीं किया जा सकता। किसी परिवार को मुआवजे के चौक से दोबारा नहीं बसाया जा सकता। बच्चे को खोने वाले माता–पिता वापस नहीं मिल जाते क्योंकि सरकार ने राहत की घोषणा की है।यही कारण है कि नेपाल को एक सबक होना चाहिए। और ऐसा ही सबक हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी क्षेत्रों की हर त्रासदी को भीहोना चाहिए। हम अगले बादल फटने, अगले भूस्खलन, अगली सड़क धंसने, अगले गांव के बह जाने का इंतजार नहीं कर सकते। लोगों के मरने के बाद हम अपनी गलतियों की खोज जारी नहीं रख सकते। हिमालय लाखों वर्षों से जीवित है। उन्हें हमें बचाने की आवश्यकता नहीं है। हमें उनके साथ रहना सीखने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकारों को कभी–कभी उन परियोजनाओं को न कहने की आवश्यकता है जो पैसे और नौकरियों का वादा करती हैं लेकिन अस्वीकार्य जोखिम लाती हैं।

> **किसी बड़ी होटल परियोजना को मंजूरी देने से पहले, किसी पहाड़ी को काट कर राजमार्ग बनाने से पहले, किसी अन्य बांध या सुरंग को मंजूरी देने से पहले, सरकारों को एक सीधा सवाल पूछना होगा–क्या यह पहाड़ वास्तव में इसे झेल सकता है? और उन्हें इसका जवाब स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों, पर्यावरण विशेषज्ञों और सबसे महत्वपूर्ण, उन लोगों से चाहिए जो पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं, न कि केवल उन लोगों से, जिनका काम परियोजना को मंजूरी दिलाना है। पर्यावरणीय स्वीकृतियां केवल कागजी कसरत नहीं बननी चाहिएं। भवन निर्माण के नियम केवल सरकारी फाइलों में नहीं होने चाहिएं।**

मोबाइल फोन में उलझी जिन्दगी

—डॉ. शैलेश शुक्ला—

आज से दस साल पहले फोन का मतलब सिर्फ कॉल और संदेश था पर आज सुबह के अलार्म से लेकर रात तक हमारी पूरी जिंदगी इसी छोटे से डिब्बे में बंद है। उसी में हमारा बैंक है, बच्चों की पढ़ाई है, दुकान का हिसाब है, जमीन के कागज हैं और परिवार की यादें भी हैं पर कभी सोचा है कि जिस चीज पर इतनी बड़ी जिंदगी टिकी है, उसकी उम्र कौन तय करता है? हम या उसे बनाने वाली कंपनी? अगर आप ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि उसकी उम्र हम नहीं, कंपनी तय करती है।

आप तीस–चालीस हजार का फोन लाते हैं, पहले साल वह मक्खन जैसा चलता है, दूसरे साल भी ठीक रहता है, पर दूसरे साल के आखिर में ही संकेत मिलने लगते हैं। कंपनी कहती है अब इस मॉडल को बड़ा अपडेट नहीं मिलेगा, फिर कुछ महीनों बाद सुरक्षा अपडेट भी बंद हो जाते हैं। फोन गर्म होने लगता है, बैटरी जल्दी खत्म होती है, बैंक का ऐप कहता है आपका सिस्टम पुराना और असुरक्षित है। नया कैमरा फीचर आपके फोन में आता ही नहीं। मन में डर बैठ जाता है कि फोन बेकार हो गया और आप मजबूरी में नया फोन लेने चले जाते हैं जबकि फोन टूटा नहीं है, खराब भी नहीं है। उसे सिर्फ पुराना साबित कर दिया गया है। यह कोई तकनीकी मजबूरी नहीं, बल्कि एक सोची–समझी व्यापारिक रणनीति है जिसे दुनिया में प्लांड ऑब्सोलेसेंस कहा जाता है, यानी चीज को तय समय पर बेकार बना देना ताकि नया सामान बेचा जा सके।

यह रणनीति कैसे काम करती है, इसे समझना आसान है। इसका पहला हथियार है सॉफ्टवेयर अपडेट। हर फोन में दो तरह के अपडेट होते हैं, एक बड़ा ऑपरेटिंग सिस्टम अपडेट जो फोन के फीचर बदल देता है और दूसरा छोटा सुरक्षा अपडेट जो फोन को हैकर से बचाता है। कंपनियां दो साल तक दोनों अपडेट देती हैं, फिर बड़ा अपडेट बंद कर देती हैं और कहती हैं कि पुराना हार्डवेयर नया सॉफ्टवेयर नहीं संभाल पाएगा। कई बार यह सच होता है पर कई बार यह सिर्फ बहाना होता है। असल में हर मॉडल को नए सॉफ्टवेयर पर परखने में बहुत पैसा और समय लगता है। एक कंपनी के पास एक साथ चालीस–पचास मॉडल होते हैं, हर एक को अलग–अलग नेटवर्क और ऐप पर टेस्ट करना पड़ता है। कंपनी को लगता है कि पुराने मॉडल पर खर्च करने से पैसा नहीं आएगा, इसलिए वह पैसा नए मॉडल में लगा देती है।

दूसरा खेल चिप बनाने वाली कंपनियों का है। फोन का मुख्य प्रोसेसर क्वालकॉम या मीडियाटेक बनाते हैं और वे भी अपने प्रोसेसर का सपोर्ट सिर्फ तीन–चार साल तक देते हैं, उसके बाद मोबाइल कंपनी चाहे भी तो अपडेट नहीं दे सकती। दूसरा बड़ा हथियार है बैटरी। आजकल बैटरी अंदर फिक्स होती है और दो साल बाद उसकी क्षमता अस्सी प्रतिशत रह जाती है। आप सर्विस सेंटर जाते हैं तो कहा जाता है कि बैटरी नहीं मिलेगी या इतना खर्च आएगा कि नया फोन ले लीजिए। जो काम दो हजार में हो सकता था, उसके लिए तीस हजार का नया फोन बेच दिया जाता है। तीसरा हथियार है विज्ञापन। हर छह महीने में नया फोन, नया कैमरा, दो सौ मेगापिक्सल का शोर। लगता है आपका फोन पुराना हो गया, जबकि रोज के काम के लिए आपका पुराना कैमरा भी काफी था। कंपनियां फोन नहीं, हीन भावना बेचती हैं।

इस साजिश का नुकसान सिर्फ आपकी जेब को नहीं, पूरे देश को हो रहा है। पहला नुकसान आर्थिक है। भारत में आज भी परिवार बड़ी मुश्किल से पैसे जोड़कर फोन खरीदता है, छात्र पढ़ाई के लिए, किसान मौसम और योजना की जानकारी के लिए, दुकानदार यूपीआई के लिए फोन लेता है, उसके लिए हर दो–तीन साल में नया फोन लेना बहुत बड़ा बोझ है। दूसरा नुकसान सुरक्षा का है। जब सुरक्षा अपडेट बंद हो जाते हैं तो फोन हैकर के लिए आसान निशाना बन जाता है जबकि उसी फोन में आधार, पैन और बैंक की जानकारी पड़ी है। तीसरा और सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण का है। हर साल करोड़ों फोन कचरा बनते हैं और उनके अंदर लेड, कैडमियम जैसी जहरीली धातुएं होती हैं। यह कचरा गाजीपुर, सीलमपुर जैसी जगहों पर पहुंचता है जहाँ छोटे बच्चे बिना सुरक्षा के उसमें से धातु निकालते हैं, इससे सेहत खराब होती है और पानी जहरीला होता है।

नेपालगंज रोड से वाराणसी के लिए शुरू हुई नई रेल सेवा, सीएम योगी ने किया शुभारम्भ

संवाददाता–बहराइच। भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक बन गया। नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन से वाराणसी सिटी के लिए नई रेल सेवा का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया।

कार्यक्रम में बहराइच सांसद आनंद कुमार गोंड, पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड, सांसद जगदंबिका पाल, नानपारा विधायक रामनिवास वर्मा, बलहा विधायक सरोज सोनकर, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल, एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी सहित रेलवे के महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद रहे। रेलवे की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत लगभग 56 किलोमीटर लंबे रेलखंड का अमान परिवर्तन और विद्युतीकरण कराया गया है। करीब 730 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई परियोजना में मीटर गेज रेल लाइन को ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। विद्युतीकरण पूरा होने के बाद अब इस रेलखंड पर तेज गति से आधुनिक ट्रेनों का संचालन संभव हो गया है।

परियोजना के अंतर्गत यात्रियों और क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए 31 सबवे, तीन ओवरब्रिज, तीन प्लेटफार्म, एक फुट ओवरब्रिज, टॉयलेट तथा चार हाईमास्ट जैसी सुविधाओं का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही नेपालगंज रोड, नानपारा, रिसिया और मटेरा रेलवे स्टेशनों पर नई स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण भी कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले इस क्षेत्र में मीटर गेज की रेल लाइन हुआ करती थी। अब इसे ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने के साथ विद्युतीकरण भी पूरा हो चुका है। इससे इस क्षेत्र में तेज गति से चलने वाली ट्रेनों का संचालन संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री ने विकास और रेल कनेक्टिविटी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा "जब पटरी बड़ी होती है, तो रास्ते भी बड़े होते हैं, तब अवसर भी बड़े होते हैं, तो संकल्प भी बड़ा होता है।" उन्होंने कहा कि बड़ी रेल लाइन केवल आवागमन का साधन नहीं है, बल्कि यह विकास के नए रास्ते खोलती है। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। नेपाल सीमा से लगे इस क्षेत्र के लिए वाराणसी तक सीधी रेल सेवा बड़ी उपलब्धि है। नेपालगंज रोड से वाराणसी सिटी तक रेल सेवा शुरू होने से रुपईडीहा, नानपारा, बहराइच और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। यात्रियों को वाराणसी जाने के लिए सड़क मार्ग पर निर्भरता कम होगी। धार्मिक, व्यावसायिक, शैक्षिक और अन्य कार्यों से वाराणसी जाने वाले यात्रियों को सीधी रेल सेवा का लाभ मिलेगा।

रेल कनेक्टिविटी बेहतर होने से भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र के व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों के अनुसार लंबे समय से इस रेलखंड को ब्रॉड गेज में परिवर्तित कर आधुनिक रेल सेवा शुरू किए जाने की मांग थी, जो अब पूरी हुई है। कार्यक्रम के दौरान नेपाल में हुई त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों और अन्य लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का काम कर रही है। सड़क, रेल, बिजली और अन्य सुविधाओं के विस्तार से सीमावर्ती क्षेत्र अब देश के प्रमुख शहरों से तेजी से जुड़ रहा है। नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन से वाराणसी के लिए ट्रेन का संचालन शुरू होना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। 56 किलोमीटर लंबे रेलखंड के अमान परिवर्तन, विद्युतीकरण और आधुनिक यात्री सुविधाओं पर करीब 730 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद अब इस क्षेत्र में विकास की रफ्तार और तेज होने की उम्मीद है। 1 सितंबर 2026 से निर्धारित समय–सारणी के अनुसार नियमित रेल सेवाओं का संचालन किया जाएगा।

ईंट के ढेर में कोबरा मिलने से मचा हड़कंप

संवाददाता–महराजगंज। मिठौरा क्षेत्र के बड़हरा वैद्य गांव में सोमवार को ईंट के ढेर में कोबरा सांप मिलने से हड़कंप मच गया। सांप को देखकर परिजनों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने कोबरा को सुरक्षित बाहर निकालकर जंगल में छोड़ दिया। बड़हरा वैद्य निवासी दीपक कुमार के घर के सामने ईंट का ढेर लगा हुआ है। परिजन किसी काम से ईंटों के पास पहुंचे थे। इसी दौरान काम में व्यस्त होने के बीच अचानक ईंट के ढेर से कोबरा के फुफकारने की आवाज सुनाई दी। कुछ समझ पाते, इससे पहले ही कोबरा बाहर निकलकर सामने आ गया। सांप को देखते ही परिजनों ने शोर मचा दिया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। लोगों की भीड़ देखकर कोबरा कुछ देर वहीं रहा, लेकिन बाद में ईंटों के ढेर में घुस गया। मौके पर पहुंचे रेस्क्यू टीम के रामबचन सहानी ने सावधानीपूर्वक कोबरा को रेस्क्यू किया। बाद में उसे सोहगीबरवा वन्यजीव प्रभाग के दक्षिणी चौक रेंज की कुसमहवा बीट के जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

589 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र मिले, 31 पद अभी रिक्त

संवाददाता–गोंडा। जिले में सोमवार दोपहर 12 बजे 589 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग ने जिले में 725 आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। इसमें 594 अभ्यर्थियों का चयन हुआ, जिनमें से 589 को सोमवार को नियुक्ति पत्र दिए गए। अभी 131 पद रिक्त हैं। इन पदों के लिए दोबारा विज्ञापन जारी कर चयन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिले के सभी 16 विकासखंडों में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न ब्लॉकों में विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने नवनियुक्त सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। बभनजोत विकासखंड में गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज पटेल ने 55 से अधिक महिलाओं को नियुक्ति पत्र दिए। झंझरी में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आशीष मिश्रा ने 30 से अधिक महिलाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। वहीं मुजेहना में विधायक विनय कुमार द्विवेदी, मनकापुर में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि जगदेव चौधरी, छपिया में अनिल पासवान, वजीरगंज में पंकज सिंह, कर्नलगंज और परसपुर में विधायक अजय कुमार सिंह, तरबगंज में विधायक प्रेम नारायण पांडे और कटरा बाजार में विधायक बावन सिंह ने नियुक्ति पत्र बांटे।

नियुक्ति पत्र वितरण के बाद गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने कहा कि सरकार महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने नवनियुक्त सहायिकाओं से अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पहले नियुक्तियों में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठते थे और चुनिंदा लोगों को ही अवसर मिलता था, लेकिन वर्तमान सरकार में पारदर्शी तरीके से नियुक्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त आंगनबाड़ी सहायिकाएं केंद्रों पर आने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

पुलिस एनकाउंटर में 50 हजार का इनामी गिरफ्तार, यूपी पुलिस के सिपाही को कुचलने का आरोपित है ट्रक चालक

संवाददाता–कुशीनगर। बहादुरपुर चौकी पर तैनात सिपाही बृजेन्द्र मणि त्रिपाठी को ट्रक से कुचलने के मामले में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी मुख्य आरोपित ट्रक चालक आंशू कुमार यादव को रविवार की देर रात पुलिस से हुई मुठभेड़ में पैर में गोली लग गई। गिरफ्तारी के बाद पेट में दर्द की शिकायत पर पुलिसकर्मी उसे उपचार के लिए ले जा रहे थे। रास्ते में लघुशंका का बहाना बनाकर उसने एसआई की पिस्टल छीन ली और भाग निकला। पुलिस ने झड़वा रेलवे अंडरपास के पास घेराबंदी कर उसे पकड़ने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया।

20 अगस्त की रात बहादुरपुर चौकी पर तैनात सिपाही बृजेन्द्र मणि त्रिपाठी को ट्रक से कुचलने के मामले में पुलिस ने चार नामजद अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस तीन अभियुक्तों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी, जबकि मुख्य अभियुक्त ट्रक चालक आंशू कुमार यादव निवासी बिंदवालिया, थाना कुचायकोट, जनपद गोपालगंज फरार था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस कप्तान ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। तिनफेड़िया चौकी पुलिस ने 30 अगस्त को उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपित ने पेट में तेज दर्द होने की बात कही। एसआइ रविकांत सिंह और सिपाही रुपेश यादव उसे उपचार के लिए पुलिस अभिरक्षा में ले जा रहे थे। रास्ते में आरोपित ने लघुशंका करने का बहाना बनाया और एसआई रविकांत सिंह की पिस्टल निकालकर कॉक कर लिया। इसके बाद वह भाग निकला। सूचना के बाद प्रभारी निरीक्षक नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव, प्रभारी निरीक्षक तमकुहीराज गिरिजेश उपाध्याय और स्वाट टीम सक्रिय हो गई। झड़वा रेलवे अंडरपास के पास पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ने का प्रयास किया।

पुलिस के अनुसार, खुद को घिरता देख आरोपित ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी और वह गिर गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ स्थल से एक सरकारी पिस्टल, आठ जिंदा और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। घायल आरोपित को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर एएसपी सिद्धार्थ वर्मा और सीओ तमकुहीराज जयंत यादव ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

धैर्य, आत्मविश्वास और सही रणनीति से पाएं सफलता –एएसपी

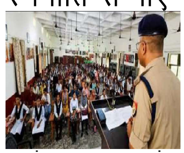

संवाददाता–महराजगंज। डीएम गौरव सिंह सोगरवाल के नेतृत्व में जिले में संचालित युवा संवाद कार्यक्रम के तहत सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज महाराजगंज में छात्र–छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने युवाओं को सिविल सेवा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के गुर बताए। धैर्य, आत्मविश्वास व सही रणनीति को सफलता का मंत्र बताया। एएसपी ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से युवाओं को सफलता के लिए आवश्यक गुणों और तैयारी की रणनीति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तथ्यों की गहरी समझ और विषयों की प्रासंगिकता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को पढ़ने–लिखने की प्रभावी पद्धति, समय प्रबंधन, नियमित अभ्यास और स्वयं के मूल्यांकन के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से तैयारी करनी चाहिए। प्रतियोगिता के बढ़ते स्तर को देखते हुए विद्यार्थियों को अपनी तैयारी को लगातार बेहतर बनाना होगा।उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि किसी एक लक्ष्य पर पूरी गंभीरता से काम करने के साथ ही भविष्य के लिए वैकल्पिक योजना यानी प्लान–बी भी तैयार रखना चाहिए। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ना सफलता की कुंजी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार मिश्र ने कहा कि युवा संवाद जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति जागरूक करने और सही दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संचालन डॉ. दिवाकर सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. देवेंद्र कुमार पाठक, डॉ. शांति शरण मिश्र, डॉ. पीयूष कुमार जायसवाल सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहीं।

रात में मां–बेटी लापता, तालाब में मिला शव, बेटी को गोद में लेकर घर से निकली थी

संवाददाता–श्रावस्ती। रविवार देर रात लापता हुई एक महिला और उसकी एक वर्षीय बेटी के शव सोमवार दोपहर तालाब से बरामद होने से सनसनी फैल गई। दोनों के शव दोपहर करीब 3 बजे के बाद गांव से कुछ दूरी पर छोटा करनपुर के पास मछली पालन के लिए बनाए गए तालाब से मिले। मामला हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के इमलिया गांव का है। मृतका की पहचान 30 वर्षीय शबीना, पत्नी इसराइल, के रूप में हुई है। परिजन मां–बेटी के शव को तालाब से निकालकर घर ले गए। खबर लिखे जाने तक मौके पर पुलिस नहीं पहुंची थी। इमलिया गांव निवासी जिब्रील की बहू शबीना रविवार रात करीब 2 बजे अपनी एक वर्षीय बेटी को गोद में लेकर अचानक घर से निकल गई थी। परिजनों को इसकी जानकारी होने पर उन्होंने रातभर गांव के साथ रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में तलाश की, लेकिन दोनों का कोई पता नहीं चला।

सोमवार सुबह ग्रामीणों ने छोटा करनपुर के पास स्थित तालाब में एक महिला का शव उतराता देखा। जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। शव को बाहर निकाला गया तो उसकी पहचान शबीना के रूप में हुई। इसके बाद तालाब में तलाश करने पर उसकी एक वर्षीय बेटी का शव भी बरामद कर लिया गया। परिजनों के मुताबिक, रविवार रात करीब एक बजे शबीना काफी परेशान नजर आ रही थी। उसके पति इसराइल ने उससे परेशानी का कारण पूछा और समझाने का प्रयास भी किया था। इसके कुछ देर बाद परिवार के लोग सो गए। इसी दौरान शबीना अपनी बच्ची को लेकर घर से निकल गई। ग्रामीणों के अनुसार, शबीना की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और उसका इलाज भी चल रहा था। हालांकि, महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। बताया गया कि शबीना के तीन बेटियां और दो बेटे हैं। उसका पति इसराइल आमतौर पर प्रदेश से बाहर मजदूरी करता है, लेकिन इन दिनों घर पर ही था। मां–बेटी के शव एक साथ मिलने की खबर से गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

टेंपो–बोलेरो की टक्कर, मासूम समेत महिला की मौत

संवाददाता–गोण्डा। टेंपो और बोलेरो की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक साल के मासूम और महिला की मौत हो गई। वहीं 5 से 10 साल की उम्र के 6 बच्चे गंभीर घायल हैं। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए। लोग उछलकर सड़क पर गिरे। चीख–पुकार सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। घायलों को बाहर निकाला। पुलिस की मदद से सभी को सीएचसी ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद सभी को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मां–बाप 1 साल के मासूम बेटे के शव से लिपटकर रोते रहे। बेटे का चेहरा देखकर मां चीख पड़ी। गोद में उठाकर परिजन घायल बच्चों को अस्पताल के अंदर ले गए। हादसा सोमवार दोपहर 2:30 बजे करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र में हुआ। परसपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर धानवा गांव निवासी राज अली की पत्नी सन्नो (30) अपने और देवर के बच्चों को लेकर सकरौरा में शादी में जा रही थी। सभी लोग सीएनजी टेंपो से शाहपुर धानवा से चचरी होते हुए सकरौरा जा रहे थे।

इसी दौरान करनैलगंज की ओर से बोलेरो चचरी–परसपुर की तरफ जा रही थी। चचरी–करनैलगंज रोड पर पारा मोड़ के पास ऑटो–बोलेरो की आमने–सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। लोग उछलकर सड़क पर गिरे। ऑटो सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं बोलेरो ड्राइवर को भी मामूली चोट आई। परिजनों बताया कि बोलेरो ड्राइवर गाड़ी लहराते हुए चला रहा था। ऑटो ड्राइवर ने टक्कर से बचने के लिए ऑटो को सड़क के किनारे उतारने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद बोलेरो ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। घायलों को करनैलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां सन्नो और एक साल के मासूम रियाज को मृत घोषित कर दिया गया। सीएचसी अधीक्षक अनुज कुमार वर्मा ने बताया कि एक साल के मासूम और महिला की मौत हो गई। 6 बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही करनैलगंज सीओ आनंद राय और कोतवाल नरेंद्र प्रताप मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद सीएचसी पहुंचकर घायलों का हाल जाना। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। सीओ आनंद राय ने बताया– टेंपो में कुल 8 लोग सवार थे। आरोपी बोलेरो चालक को हिरासत में लिया गया है। बोलेरो भी पुलिस कब्जे में है। ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है। मामले में कार्रवाई की जाएगी।

कानूनी अड़चनें, फिर चुनाव कैसे लड़ेंगे अमरमणि त्रिपाठी? 2027 वाले ऐलान से सनसनी

संवाददाता–महराजगंज। कवयित्री मधुमिता शुक्ला के हत्यारे अमरमणि त्रिपाठी ने 2027 का विधानसभा चुनाव महराजगंज से लड़ने का ऐलान किया है। अमरमणि करीब 20 साल बाद पब्लिक के सामने आया। कहा– 2027 में मैं फरेंदा से चुनाव लड़ूंगा। नौतनवा से मेरा बेटा अमनमणि लड़ेगा। कोई हो इसके मुकाबले का, तो बताओ। दरअसल, रविवार शाम 4 बजे आनंदनगर स्थित कृष्णा मैरिज हॉल में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अमरमणि ने इसी कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात की। अमरमणि ने कहा– युवाओं ने श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में सरकारें बदल दीं। भारत में युवाओं के दबाव में केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। अमरमणि त्रिपाठी ने कहा– हमारा परिवार लंबे समय से जनता के बीच रहकर राजनीति करता आया है। हमारा जनता से रिश्ता केवल चुनाव तक सीमित नहीं है। हम आगे भी लोगों के बीच रहेंगे और उनके सुख–दुख में साथ खड़े रहेंगे। उसने फरेंदा विधानसभा क्षेत्र से अपने पुराने रिश्ते का भी जिक्र किया। अमरमणि की मंच पर मौजूदगी के दौरान समर्थकों में उत्साह दिखा। कार्यक्रम में पूर्व विकलांग एवं राज्य मंत्री श्याम नारायण तिवारी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

नौतनवा के पूर्व विधायक अमनमणि त्रिपाठी ने भी अपने पिता के लिए समर्थन मांगा। लोगों से अमरमणि को फरेंदा से विजयी बनाने की अपील की। अमनमणि ने कांग्रेस के मौजूदा विधायक वीरेंद्र चौधरी पर तंज कसा। कहा– कई बार चुनाव लड़ने के बाद इस बार जनता की सहानुभूति से उन्हें जीत मिली। उन्होंने पूर्व भाजपा विधायक बजरंग बहादुर सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि पूर्व विधायक ने गिट्टी चोरी और ठेकेदारी के जरिए हजारों करोड़ रुपए की संपत्ति बनाई। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर लगाम लगाने की जरूरत है। राजनीतिक लड़ाई में जनता को हमारे परिवार का साथ देना चाहिए। हालांकि, अमरमणि त्रिपाठी ने किसी दल के टिकट से चुनाव लड़ने की कोई घोषणा नहीं की है। लेकिन, अमरमणि की वापसी के बाद से महराजगंज की राजनीति में हलचल शुरू हो गई है। हाल में नौतनवा में एक प्राइवेट अस्पताल के उद्‌घाटन कार्यक्रम के दौरान उनके समर्थकों ने 'अमरमणि त्रिपाठी जिंदाबाद' के नारे लगाए थे। इसके बाद से उनके चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही थी।

2007 में यूपी में विधानसभा चुनाव हुए। अमरमणि को बसपा ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। लेकिन, सपा ने उसे महराजगंज की नौतनवा सीट से प्रत्याशी बना दिया। अमरमणि जेल में रहते हुए चुनाव जीत गया। लेकिन, इसके कुछ ही महीनों बाद 24 अक्टूबर, 2007 को देहरादून की स्पेशल कोर्ट ने मधुमिता हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुना दी और इसके साथ ही उसकी विधायकी भी चली गई थी। बता दें, अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि को मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में उम्रकैद की सजा हुई थी। करीब 20 साल जेल में रहने के बाद दोनों साल–2023 में रिहा हुए थे। अमरमणि शुरुआत में हरिद्वार की रौशनाबाद जेल में बंद रहा, जहां उसकी पत्नी मधुमणि भी थी। बाद में 2012 तक दोनों को गोरखपुर जेल ट्रांसफर कर दिया गया। लेकिन जेल आने के ठीक एक साल बाद, 13 फरवरी 2013 को अमरमणि इलाज के बहाने गोरखपुर के बाबा राघव दास (ठत्क) मेडिकल कॉलेज पहुंचा। फिर अगले 10 साल के लिए वहीं का होकर रह गया। हॉस्पिटल के मनोचिकित्सा विभाग के कमरा नंबर– 16 को पति–पत्नी ने अपना पक्का ठिकाना बना लिया। बाहर पुलिस का पहरा रहता था। अमरमणि अस्पताल में भले ही वीआईपी कैदी बनकर जमा रहा। लेकिन, वहां से करीब 80 किलोमीटर दूर अपनी पुश्तैनी सीट नौतनवा पर वे पूरी तरह सक्रिय था। उसने अस्पताल से ही अपने बेटे अमनमणि त्रिपाठी की सियासत को मजबूत किया। 2017 में उसे निर्दलीय विधायक बनवाया।

इब्लीस को फरिश्ता की जगह पैगंबर कहने पर राजिक उस्मानी ने मांगी सार्वजनिक माफी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संवाददाता–गोंडा। इब्लीस को फरिश्ता बताने के दौरान पैगंबर कह देने वाले वरिष्ठ समाजसेवी अब्दुल राजिक उस्मानी ने अपनी बात पर खेद जताते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह बात जल्दबाजी में मुंह से निकल गई थी। शनिवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर उन्होंने समर्थकों के साथ सपा की सदस्यता ग्रहण की।सपा में शामिल होने के बाद राजिक उस्मानी के आवास पर समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया और प्रेस से मुखातीप होते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। जिस तरह सपा प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से उन्हें सम्मान और मान्यता मिली, वह बहुजन समाज पार्टी में इतने वर्षों में नहीं मिल सकी।

अपने एक बयान को लेकर चर्चा में आए उस्मानी ने कहा कि एआइएमआइएम नेता असदुद्दीन ओवैसी जिस तरह कार्यक्रमों में धार्मिक नारे लगाकर युवाओं को प्रभावित करते हैं, उससे उन्हें परहेज करना चाहिए। इसी संदर्भ में इब्लीस का उदाहरण देते समय उनसे फरिश्ता की जगह पैगंबर शब्द निकल गया था। उन्होंने इसे अपनी भूल बताते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।बताया जाता है कि राजिक उस्मानी की पत्नी निगार उस्मानी ने वर्ष 2022 में बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर गौरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था और वह दूसरे स्थान पर रही थीं।राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी निगार उस्मानी को गौरा से अपना प्रत्याशी बना सकती है।

सरयू तट से गूंजा रामनाम, कलश यात्रा से श्री सियपिय मिलन महोत्सव का शुभारंभ

भक्ति के रंग में रंगी रामनगरी, सरयू को चढ़ाई 108 गज की चुनरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी में सोमवार को संत परंपरा और भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित हुई। श्री अवध बिहारी कुंज में श्रीमद्‌गुरु अग्रपीठाधीश्वर रैवासा धाम के साकेतवासी स्वामी डॉ. राघवाचार्य वेदांतीजी महाराज के द्वितीय साकेतोत्सव के उपलक्ष्य में नौ दिवसीय श्री सियपिय मिलन महोत्सव का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा से हुआ। सैकड़ों संत–महंत, वैदिक विद्वान और श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए। भक्ति गीतों और जयघोष से वातावरण राममय हो उठा।श्रीमहामंडलेश्वर हरिकृष्णदास ग्वालिया बाबा के संयोजन तथा श्री अवध बिहारी कुंज के श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर डॉ. गणेशदासजी महाराज के सानिध्य में निकली कलश यात्रा रथ और बैंड–बाजे के साथ मां सरयू के तट पहुंची। यहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां सरयू का पूजन–अर्चन, दुग्धाभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने मां सरयू को 108 गज लंबी चुनरी अर्पित की। सैकड़ों वैदिक विद्वानों के मंत्रोच्चार से सरयू तट आध्यात्मिक आभा से आलोकित हो उठा।

वरुण आवाहन के बाद माता–बहनों ने सरयू जल से भरे कलश धारण किए। लता चौक, श्रृंगारहाट और अशर्फी भवन होते हुए यात्रा श्री अवध बिहारी कुंज पहुंची। यहां कलश पूजन के बाद नौ दिवसीय श्रीराम कथा का शुभारंभ हुआ।व्यास पीठ से कथा का शुभारंभ करते हुए महामंडलेश्वर डॉ. गणेशदासजी महाराज ने कहा कि श्रीराम कथा जीवन को मर्यादा और सदाचार का मार्ग दिखाती है। भगवान श्रीराम के चरित्र को आत्मसात करने वाला व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता और कल्याण प्राप्त करता है।कथा प्रतिदिन दोपहर तीन से शाम सात बजे तक होगी। प्रतिदिन दोपहर 12 बजे संतों और श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। आठ सितंबर को संत सम्मेलन होगा। इसमें देशभर से संत–महात्मा और विद्वान शामिल होंगे। कार्यक्रम में श्रीमहामंडलेश्वर रामबिहारीदास, महंत गंगादास, महंत देवादास सहित शिष्य–भक्त सहयोग कर रहे हैं। अयोध्या से महंत नव्यन्यायाचार्य तुलसीदास सहित दर्जनों संत महंत सम्मिलित हुए।

अनिल कुमार मण्डल उपाध्यक्ष, विजय प्रकाश मण्डलीय संयुक्त मंत्री बने

उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के मण्डलीय कार्यकारिणी की बैठक में गूंजा शिक्षकों की समस्याओं का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ, के मण्डलीय कार्यकारिणी एवं बस्ती, सिद्धार्थनगर तथा संतकबीरनगर के जिलाध्यक्ष व जिला महामंत्रियों की बैठक सोमवार को प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में प्रधानाध्यापक पद के वेतन संबंधी प्रकरण पर चर्चा करते हुए कहा गया कि जिन शिक्षकों को इसका लाभ मिलना है, उन्हें नियमानुसार लाभ दिया जाना चाहिए। शिक्षकों से जुड़े अन्य वेतन संबंधी मामलों को भी जल्द निस्तारित कराने की मांग उठाई गई।

बैठक में अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) विद्यालयों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के वेतन से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि लंबे समय से वेतन संबंधी दिक्कतों का सामना कर रहे शिक्षकों को समय से वेतन उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

मण्डल पदाधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों से शिक्षकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। बैठक में कहा गया कि विद्यालयों में शिक्षकों और कर्मचारियों के हित से जुड़े मामलों का नियमानुसार निस्तारण कराया जाए।

इसके अलावा वेतनमान एवं पदोन्नति से जुड़े मामलों पर भी चर्चा हुई। जिन प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों को अभी तक निर्धारित लाभ नहीं मिल पाया है, उनके मामलों को भी जल्द पूरा कराने पर जोर दिया गया। मण्डल कोषाध्यक्ष सुभाष चन्द्र ने एकल विद्यालयों का मुद्दा उठाया। कहा कि बेहतर शिक्षा के लिये शिक्षकों की संख्या बढाई जाय।

बैठक में सर्वसम्मति से अनिल कुमार गुप्ता को मण्डल उपाध्यक्ष, विजय प्रकाश को मण्डलीय संयुक्त मंत्री मनोनीत किया गया। इसके साथ ही संगठन को मजबूत करने और शिक्षकों की समस्याओं को मंडल स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में एमडीएम (मध्याह्न भोजन) व्यवस्था से संबंधित विषय पर भी पदाधिकारियों ने विचार–विमर्श किया और व्यवस्था को लेकर आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

बैठक में मण्डल अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद, मंडल महामंत्री अमरेश बहादुर सिंह, केशराम चौधरी, घनश्याम, राजेन्द्र चौधरी, अनिल कुमार, अमिता त्रिपाठी, सुभाष चन्द्र, सच्चिदानन्द शुक्ल सहित मंडल व जिलों के पदाधिकारी, शिक्षक और अन्य सदस्य मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षक हितों से जुड़े मामलों को लेकर संगठन आगे भी अधिकारियों के समक्ष आवाज उठाता रहेगा।

समस्याओं को लेकर दो–दो हाथ करेगी किसान कांग्रेस –रामअधाहरे जोसेफ

संवाददाता–गोरखपुर। किसान कांग्रेस के नवनियुक्त पूर्वी जोन अध्यक्ष रामअधाहरे जोसेफ ने कहा कि प्रदेश के सभी किसान कांग्रेस कार्यकर्ता किसानों की समस्याओं को लेकर प्रशासन से दो–दो हाथ करने के लिए कमर कस लें। प्रदेश के अन्नदाताओं की लड़ाई किसान कांग्रेस पूरी मजबूती से लड़ेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाएं और जरूरत पड़ने पर सड़क से लेकर प्रशासन तक संघर्ष करें। रामअधारे जोसेफ, सोमवार को सिंघाड़िया स्थित लॉन के सभागार में कांग्रेस संगठन सृजन अभियान की समीक्षा कर रहे थे। इसके पूर्व किसान कांग्रेस के पदाधिकारियों ने फूल–मालाओं से स्वागत किया।

बैठक में गोरखपुर–बस्ती मंडल के किसान कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जोसेफ ने कहा कि किसान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संगठन में सम्मानजनक जिम्मेदारी दी जाएगी। जुझारू और सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्रदेश कमेटी में स्थान मिलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि किसान हितों की लड़ाई में जहां भी उनकी जरूरत होगी, वह उनके साथ खड़े मिलेंगे। बैठक का संचालन किसान कांग्रेस के संगठन प्रभारी कन्हैया यादव ने किया।बैठक में यूपी कांग्रेस प्रदेश सचिव बस्ती जनपद प्रभारी दिलीप कुमार निषाद, मानवेन्द्र प्रताप सिंह, हरिसेवक त्रिपाठी, अमित प्रताप सिंह, प्रदीप मिश्रा, कालंजय राम त्रिपाठी, विनीत सिंह, प्रदीप नाथ शुक्ला, धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय, विजय शंकर मिश्रा, सत्य प्रकाश मिश्रा, शिवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अशोक सिंह, महेन्द्र यादव, आलोक त्रिपाठी समेत अन्य उपस्थित रहे।

खाद-कीटनाशक का लाइसेंस लेने के लिए प्रशिक्षण जरूरी

संवाददाता–गोरखपुर। उर्वरक कारोबार शुरू करने के इच्छुक लोगों और वर्तमान डीलरों के लिए कृषि विभाग की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उप कृषि निदेशक धनंजय सिंह ने बताया कि डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) के तहत एक वर्षीय प्रशिक्षण और सर्टिफिकेट कोर्स ऑन इंटीग्रेटेड न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट (सीसीआईएनएम) के तहत 15 दिवसीय प्रशिक्षण कराया जाएगा। धनंजय सिंह ने बताया कि कृषि या रसायन से स्नातक नहीं करने वाले वर्तमान उर्वरक विक्रेता और भविष्य में उर्वरक कारोबार करने के इच्छुक व्यक्ति इन प्रशिक्षणों के लिए पात्र हैं। डीएईएसआई का 48 दिवसीय साप्ताहिक प्रशिक्षण पूरा करने वाले अभ्यर्थी खाद और कीटनाशक दोनों का लाइसेंस प्राप्त कर सकेंगे। वहीं सीसीआईएनएम का 15 दिवसीय प्रशिक्षण लेने वालों को केवल उर्वरक बिक्री का लाइसेंस मिल सकेगा।

प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल और अधिकतम आयु 65 वर्ष निर्धारित है। डीएईएसआई की फीस 28 हजार रुपये है। वैध उर्वरक, बीज या कीटनाशक विक्रय प्राधिकार पत्र वाले वर्तमान डीलरों को 14 हजार रुपये की छूट मिलेगी। सीसीआईएनएम की फीस 12,500 रुपये है।

जनपदीय शतरंज प्रतियोगिता में रवि, अंश ने मारी बाजी

–भारतीय बस्ती संवादाता–

बस्ती। जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को श्री शिव मोहर नाथ पाण्डेय जनता इंटर कॉलेज, नगर बाजार में हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य राजित राम वर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपनी बौद्धिक क्षमता और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में आयोजक विद्यालय के अलावा झिनकू लाल त्रिवेणी राम चौधरी इंटर कॉलेज, कलवारी, श्री कृष्ण पाण्डेय इण्टर कॉलेज, बस्ती सहित अन्य विद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। सीनियर बालक वर्ग में झिनकू लाल त्रिवेणी राम चौधरी इंटर कॉलेज कलवारी के रवि अग्रहरि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि करन कुमार उपविजेता रहे। जूनियर बालक वर्ग में इसी विद्यालय के अंश अग्रहरि विजेता बने। बाबू अनमोल ने द्वितीय और हिमांशु ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सब–जूनियर बालक वर्ग में श्री कृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेज बस्ती के तनिष्क ने प्रथम स्थान हासिल किया। आयोजक विद्यालय के हिमांशु उपविजेता रहे। सीनियर बालिका वर्ग में आयोजक विद्यालय की प्रतिमा ने प्रथम तथा काजल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालिका वर्ग में कोमल विजेता और चांदनी उपविजेता रहीं।

प्रतियोगिता का संचालन शारीरिक शिक्षा शिक्षकों माता प्रसाद त्रिपाठी, अजय कुमार वर्मा, कुंवर विकास सिंह, अरुण कुमार, धनंजय दुबे एवं सुभाष यादव ने किया। समापन अवसर पर विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। शारीरिक शिक्षा शिक्षक धनंजय दुबे ने प्रतियोगिता में सहयोग करने वाले अतिथियों, शिक्षकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार जताया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में कृष्ण कन्हैया वर्मा, सुरेंद्र कुमार भारती, राजकुमार, डॉ. गरिमा वर्मा, राजित राम वर्मा, कंचन वर्मा, शांति देवी, नित्यानंद, विद्याधर, दिव्या एवं राजेश कुमार का योगदान रहा।

इसी क्रम में श्री हंसराज लाल इंटर कॉलेज, गणेशपुर में जनपद स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में केवल आयोजक विद्यालय की टीम ही उपस्थित रही। अन्य टीमों के नहीं पहुंचने पर आयोजक विद्यालय की टीम को वॉकओवर देते हुए विजेता घोषित किया गया। समापन पर प्रधानाचार्य डॉ. देवेंद्रनाथ मिश्र ने खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के आयोजन में शारीरिक शिक्षा शिक्षक सुशील चौधरी, विवेक श्रीवास्तव, रमेश चंद्र गुप्ता सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकों का सहयोग रहा।

इटवा में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, हटाया गया कब्जा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लंबे समय बाद आखिर अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चल ही गया। निकाय प्रशासन, तहसील व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के इटवा चौराहे के पास सड़क की पटरी से किए गए अवैध कब्जे को हटाया गया। प्रशासन ने इसके लिए बुलडोजर की भी सहायता ली। प्रशासन की सख्ती के चलते बहुत सारे लोग खुद अतिक्रमण हटाते देखे गए।

इटवा में अतिक्रमण ला–इलाज हो गया। स्थिति ये हो गई थी कि सड़क की पटरी अवैध कब्जे की भेंट चढ़ गई थी। लोग सड़क से सटाकर दुकान लगाने लगे थे। यही वजह थी दिन हो रात, आए दिन जाम का झाम देखने को मिल रहा था। पिछले दिनों प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी।

सोमवार को अधिशासी अधिकारी शिव कुमार, नायब तहसील बिन्द्रेश गुप्ता पुलिस बल के साथ चौराहे के पास पहुंचे। साथ में नगर कर्मी, जेसीबी व ट्रैक्टर ट्राली भी रही। सड़क की पटरी पर निर्धारित की गई जगह के अंदर हो भी अतिक्रमण मिला, उसको हटाया जाने लगा। जेसीबी से अतिक्रमण हटाकर सामग्री को ट्राली में भरा जाने लगा।

अधिशासी अधिकारी शिव कुमार ने बताया कि अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। ये कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। सड़क पटरी पर सरकारी भूमि पर जो भी अतिक्रमण है, उसे हटाया जाएगा। दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अतिक्रमण खुद ही हटा लें, नहीं तो प्रशासन बल पूर्वक कब्जा हटाने का काम करेगा।

हर दिन टीम लगा नाला की सफाई करें –नगर आयुक्त

संवाददाता–गोरखपुर। राजीव दत्त पाण्डेय नगर आयुक्त अजय जैन ने सोमवार सुबह शहर में चल रहे नाला सफाई कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने सावित्री हॉस्पिटल के पास निर्माणाधीन नाले की दीवार, थवई पुलिया के पास और देवरिया बाईपास रोड पर संकटमोचन हनुमान मंदिर के पीछे चल रहे नाला सफाई कार्यों का जायजा लिया। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को नाला सफाई का कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।इसके बाद नगर आयुक्त अजय जैन ने वार्ड संख्या 59 आत्माराम नगर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन, नालियों की सफाई समेत अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई नालियां सिल्ट से भरी मिलीं। इस पर उन्होंने नियमित रूप से नालियों की सफाई कराने के निर्देश दिए।अजय जैन ने कहा कि वार्ड में सिल्ट से भरी नालियों की सफाई के लिए प्रतिदिन सुबह 10रू30 बजे के बाद विशेष टीम लगाई जाए और सफाई कार्य सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने सफाई व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न बरतने तथा जलनिकासी व्यवस्था को सुचारू रखने पर जोर दिया।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

अदालत– श्रीमान अति0 अधिकारी प्रथम बस्ती जिला–बस्ती

विश्राम आदि

बनाम

दूधनाथ आदि

1. विश्राम पुत्र शिवराम 2. दूधनाथ 3. देवनाथ 4. मुक्तनाथ पुत्रगण जयराम 5. रामबहाल 6. रामगोविन्द 7. गणेश पुत्रगण सीताराम 8. प्रहलाद 9. प्रेमचन्द्र पुत्रगण सरजू 10. मस्तराम पुत्र रामलखन निवासीगण ग्राम असियापार डिवहारी तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 11. ग्राम पंचायत अहिरौली द्वारा प्रधान तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

विमुक्त जाति दिवस पर चौपालः पेंशन से लेकर सामूहिक विवाह तक समझाई आवेदन प्रक्रिया

संवाददाता–संतकबीरनगर। हैंसर बाजार ब्लॉक क्षेत्र के बभनौली गांव में सोमवार को विमुक्त जाति दिवस के अवसर पर चौपाल लगाई गई। इसमें ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना और शादी अनुदान समेत कई योजनाओं के बारे में बताया। साथ ही पात्र लोगों से योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन करने की अपील की गई। हैंसर के एडीओ समाज कल्याण अखिलेश चौहान ने ग्रामीणों को वृद्धावस्था पेंशन की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु के पात्र व्यक्ति पेंशन के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए आधार कार्ड, परिवार रजिस्टर या शैक्षिक प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और बैंक खाते की आवश्यकता होती है। उन्होंने ग्रामीणों से दस्तावेज पूरे रखने और पात्र होने पर योजना का लाभ लेने की अपील की। चौपाल में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और शादी अनुदान योजना पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि पात्र परिवार इन योजनाओं के माध्यम से सरकार की सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ग्रामीणों को आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में भी जानकारी दी गई, ताकि पात्र लाभार्थी योजनाओं से वंचित न रहें। एडीओ समाज कल्याण ने राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना की जानकारी देते हुए इसके उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों को सरकार की ओर से संचालित योजनाओं का लाभ दिलाना विभाग की प्राथमिकता है। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे पात्रता के अनुसार योजनाओं के लिए आवेदन करें और किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित विभाग से संपर्क करें। चौपाल के दौरान छात्रवृत्ति योजना के साथ अत्याचार उत्पीड़न योजना की भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि जानकारी के अभाव में कोई पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता और आवेदन से जुड़ी जरूरी जानकारी उपलब्ध कराई गई। अखिलेश चौहान ने बताया कि उत्तर प्रदेश समाज कल्याण विभाग की ओर से 31 अगस्त को विमुक्त जाति दिवस मनाया जाता है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–C202417000001552

वेदीराम उर्फ बगेदी आदि

बनाम

रामवरन आदि

1. रामवरन 2. रामचरन पुत्रगण लल्लन 3. श्रीमती सुन्दरी पत्नी रामचरन निवासी ग्राम रमवापुर उर्फ विशुनपुर तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

–विपक्षीगण प्रथम वर्ग

4. चिनकुद पुत्र सुखराज 5. छेदीराम 6. पूर्णवासी 7. भैयाराम पुत्रगण महाजन 8. त्रिभुवन 9. शिववालक पुत्रगण छविलाल 10. सुखराम पुत्र बुद्धू 11. पारस 12. पृथी 13. हरिश्चन्द्र पुत्रगण कल्लू 14. पियारे पुत्र रामसमुझ 15. मुस्तफा पुत्र रियासत 16. मेहदी हसन पुत्र युसुफ निवासीगण ग्राम रमवापुर उर्फ विशुनपुर तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

–विपक्षीगण प्रथम वर्ग

17. राजेन्द्र कुमार 18. सिकन्दर कुमार 19. कुलेन्द्र कुमार 20. मनीष कुमार पुत्रगण श्रीपति साकिन कैलनिया तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर 21. सनेही पुत्र चिनकू 22. अबरार अहमद 23. तैयब अली पुत्रगण जमीरूलाल साकिनान रमवापुर उर्फ विशुनपुर तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

24. ग्राम पंचायत रमवापुर उर्फ विशुनपुर तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर द्वारा प्रधान/अध्यक्ष 25. उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर सिद्धार्थनगर

–विपक्षीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 18–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 18 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

dknl& C20261700000631

मनिराम आदि

बनाम

रामवृक्ष आदि

1. रामवृक्ष पुत्र वंशराज 2. वीरेन्द्र 3. बीरबहादुर 4. चन्द्रभान पुत्रगण झिनकू 5. साहेबराम पुत्र गजराज साकिनान मौजा घोषियापुर तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती

–विपक्षीगण प्रथम वर्ग

6. हरिश्चन्द्र 7. लालता पुत्रगण रामआसरे 8. चन्द्रभान 9. हृदयराम 10. जगराम 11. पतिराम 12. सत्यराम 13. यादराम पुत्रगण जयपाल 14. कन्हैया 15. पप्पू 16. रामफल पुत्रगण छट्ठू 17. बलिराम पुत्र रामसुन्दर 18. उमेश पुत्र रामबहादुर साकिनान मौजा घोषियापुर तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती

–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

19. ग्राम पंचायत तिघरा तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती द्वारा प्रधान/अध्यक्ष 20. उ0प्र0राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर बस्ती

–विपक्षीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 25–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 25 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 29 माह 08 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–C202517000001606

संजय कुमार आदि

बनाम

देवनरायन आदि

1. देवनरायन मिश्र पुत्र रामकिशोर मौजा कनेथू बुजुर्ग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–विपक्षी प्रथम वर्ग

2. राजकिशोर पुत्र दयाराम 3. सन्त कुमार पुत्र झिनकू 4. प्रताप नरायन मिश्र 5. विजय नरायन मिश्र 6. प्रदीप नरायन मिश्र पुत्रगण रामकिशोर 7. श्रीमती पावित्री मिश्रा पत्नी देवनरायन मिश्र 8. प्रशान्त मिश्रा पुत्र रामनरायन मिश्रा 9. निशान्त मिश्रा 10. सिद्धार्थ मिश्रा पुत्रगण रामनरायन मिश्रा साकिन मौजा कनेथू बुजुर्ग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–विपक्षी द्वितीय वर्ग

11. उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर बस्ती

–विपक्षी तृतीय वर्ग

12. राजेश कुमार पुत्र बजरंगी मौजा मंझारी तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 13–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 13 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 29 माह 08 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–C20261700000015

दीनानाथ आदि

बनाम

देवनरायन आदि

1. देवनरायन मिश्र पुत्र रामकिशोर मौजा कनेथू बुजुर्ग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–विपक्षी प्रथम वर्ग

2. राजकिशोर पुत्र दयाराम 3. सन्त कुमार पुत्र झिनकू 4. प्रताप नरायन मिश्र 5. विजय नरायन मिश्र 6. प्रदीप नरायन मिश्र पुत्रगण रामकिशोर 7. श्रीमती पावित्री मिश्रा पत्नी देवनरायन मिश्र 8. प्रशान्त मिश्रा पुत्र रामनरायन मिश्रा 9. निशान्त मिश्रा 10. सिद्धार्थ मिश्रा पुत्रगण रामनरायन मिश्रा साकिन मौजा कनेथू बुजुर्ग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–विपक्षी द्वितीय वर्ग

11. उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर बस्ती

–विपक्षी तृतीय वर्ग

12. राजेश कुमार पुत्र बजरंगी मौजा मंझारी तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–विपक्षी चतुर्थ वर्ग

13. संजय कुमार पुत्र विश्राम साकिन मौजा देईपार खुर्द तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–विपक्षी पंचम वर्ग

तारीख पेशी 11–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 11 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 29 माह 08 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

राम मंदिर को चार करोड़ का दान, खाते में निकले सिर्फ तीन रुपये, चेन्नई की श्रद्धालु का चेक फंसा

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर में कार्यरत कर्मचारियों और सेवादारों की सुविधाओं के लिए चेन्नई की महिला श्रद्धालु एस. नागलक्ष्मी की ओर से दिए गए चार करोड़ रुपये के सशर्त दान के चेक ने नया पेच खड़ा कर दिया है। ट्रस्ट को बैंक से संबंधित खाते में महज तीन रुपये का बैलेंस होने की जानकारी सामने आई। अब ट्रस्ट चेक जारी करने वाली महिला श्रद्धालु से संपर्क करने की तैयारी है। चेक बाउंस होने की दशा में बैंक महिला को नोटिस जारी कर सकता है। दरअसल, एस. नागलक्ष्मी 25 अगस्त को रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आई थीं। दर्शन के बाद उन्होंने रामलला की सेवा में 10 हजार रुपये का समर्पण किया। इसके साथ ही राम मंदिर ट्रस्ट को चार करोड़ रुपये का चेक सौंपा। महिला ने स्पष्ट किया था कि यह धनराशि मंदिर में कार्यरत कर्मचारियों और सेवादारों की सुविधाओं पर ही खर्च की जाए। इसके लिए उन्होंने ट्रस्ट से लिखित आश्वासन भी मांगा था।

ट्रस्ट की ओर से इस आशय का लिखित आश्वासन फिलहाल नहीं दिया गया। इसके बाद महिला श्रद्धालु चेक ट्रस्ट को सौंपकर चेन्नई लौट गईं। इसके बाद ट्रस्ट ने चेक को बैंक में जमा कराने की प्रक्रिया शुरू की। बैंक स्तर पर खाते की पड़ताल में पता चला कि संबंधित खाते में महज तीन रुपये का बैलेंस है। ऐसे में चार करोड़ रुपये का चेक फिलहाल भुगतान की स्थिति में नहीं है। बैंकिंग प्रक्रिया के तहत चेक में अंकित धनराशि के सापेक्ष खाते में बैलेंस न होने पर बैंक की ओर से खाताधारक को इसकी सूचना दी जाती है। इसी क्रम में अब बैंक महिला को नोटिस भेजकर चेक जारी करने और खाते में पर्याप्त धनराशि नहीं होने के संबंध में जानकारी करेगा। वहीं, चेक बाउंस होने की स्थिति में कानूनी कार्रवाई भी बैंक कर सकता है। हालांकि ट्रस्ट अभी महिला श्रद्धालु से वार्ता करने का प्रयास कर रहा है। ट्रस्ट सूत्रों के मुताबिक, महिला श्रद्धालु की मंशा दान की रकम को कर्मचारियों और सेवादारों की सुविधाओं के लिए खर्च कराने की है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–T202517000001406

तीरथ आदि

बनाम

विक्रम आदि

1. विक्रम पुत्र जगदीश 2. मोनू 3. सोनू पुत्रगण गोबरे 4. रामसेवक पुत्र रामलाल साकिन गौरडीह तप्पा वारिकपार तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर 5. उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 30–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 29 माह 08 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com